an>

Title: Regarding demand for separate state Vidarbha.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विÂाय पर आपका तथा सरकार का ध्यान आकर्Âिात करना चाहता हूँ।

महोदय, 1 मई, 1960 को संयुक्त महाराÂट्र बना और उस समय विदर्भ, जो सी पी एंड बरार में था, उस समय मांग थी कि संयुक्त महाराÂट्र में मराठी भाÂिाायों का महाराÂट्र बने और जो पिछड़ा एरिया है, उसको हम विकास की धारा में लाएँगे, यह एग्रीमैंट उस समय किया गया था। अभी 1 मई को हमारे यहाँ महाराÂट्र दिवस मनाया गया। विदर्भ के कई संगठनों ने उसे काला दिवस के रूप में मनाया। उसका कारण भी ऐसा है कि जो एग्रीमैंट किया गया था, उस समय कहा गया था कि शैक्षणिक, सामाजिक, भौगोलिक, सभी क्षेत्रों में डैवलपमैंट किया जाएगा लेकिन आज तक वहाँ उस तरह का पिछड़ापन कायम है। वहाँ किसानों की आत्महत्या बढ़ती जा रही है। बेरोज़गारों की आत्महत्या वहाँ बढ़ती जा रही है और विकास के नाम पर वहाँ कुछ नहीं हुआ है। इसलिए वहाँ के लोगों की पृथक विदर्भ की मांग बढ़ती जा रही है। मैं कहना चाहूँगा कि वहाँ के लोगों की जो मांग है, उसको पूरा करने के लिए शिव सेना को भी उसे सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि हमारे बालासाहब ठाकरे जी ने तब कहा था कि विदर्भ का अगर विकास नहीं होता तो हम खुद विदर्भ को अलग करने की बात करेंगे। ...(व्यवधान)